दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 89 रविवार 19 अक्टूबर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

श्री हनुमत जन्मोत्सव समारोह 19 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री हनुमान मंदिर गांधीनगर में श्री हनुमत जन्मोत्सव समारोह उल्लास के साथ मनाया जायेगा। आयोजक पं. रामकिंकर शुक्ल 'गोपाल बाबा' ने बताया कि 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक अखण्ड श्रीराम चरित मानस पाठ, श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, श्रीमद्भागवत, गीता पाठ, श्री बाल्मीकीय रामायण अर्न्तगत श्री सुन्दरकाण्ड पाठ एवं जाप का अनुष्ठान होगा। 19 अक्टूबर को दिव्य हवन, जन्मोत्सव आरती के साथ अनुष्ठान का समापन होगा।

बताया कि कार्यक्रम संयोजन में विष्णु भगवान शुक्ल उर्फ सुरेन्द्र शुक्ल, मारूत नन्दन शुक्ल, स्वधा, ई. समीर, सुअन प्रसाद शुक्ल, क्षमा शुक्ला, प्रभंजन, सुअन प्रसाद शुक्ल आदि योगदान कर रहे हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 5 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शासन की मंशा के अनुरूप जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील रूधौली में सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक–एक कर सुनते हुए मौके पर उपस्थित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को जनशिकायतों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने भी सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों से संबंधित मामलों को तत्परता एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करायें। उप जिलाधिकारी मनोज प्रकाश ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 24 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग 19, समाज कल्याण, विद्युत, कृषि, वन एवं पूर्ति विभाग के 01–01 मामलें हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीडीओ अजय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक राजेश कुमार, डीपीआरओ धनश्याम सागर, कृषि अधिकारी बी.आर. गौर्या, डिप्टी सीएमओ डा. ए.के. चौधरी, डिप्टी सीडीओ डा. प्रेम कुमार वर्मा, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, एलडीएम आर.एन. मौर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी सोंऊघाट, रूधौली, तहसीलदार तथा संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने दिया दीप पर्व की शुभकामना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक संजीव त्यागी, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने जनपदवासियों को धनतेरस, दीपावली, भईयादूज एवं गोवर्धन पूजा पर्व की बधाई दिया है। सभी अधिकारियों ने जनपदवासियों से अपील किया है कि पर्व को आपसी भाई–चारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें।

धनतेरस पर जमकर हुई खरीदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । धनतेरस पर जनपद के बाजारों में जमकर खरीदारी हुइ। शुक्रवार की देर रात तक बाजार में तैयारियों का दौर चलता रहा। इलेक्ट्रॉनिक बाजार से लेकर बर्तन की दुकानों और सराफा मार्केट तक में चहल–पहल दिखी। शनिवार को धनतेरस पर बाजार में भारी भीड़ उमड़ी। धनतेरस को लेकर शहर के बर्तन बाजार से लेकर दोपहिया–चार पहिया वाहनों के शोरूम तक को सजाया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानें रंग–बिरंगी झालरों से जगमगा रही हैं। बर्तन की दूकानों में खरीदारी हुई। बाजार में गणेश–लक्ष्मी की मूर्तियों की दुकानें भी सजाई गई हैं। पाण्डेय बाजार, मंगलबाजार, गांधीनगर में दूकानों पर खरीदारी उमड़े और अच्छी बिक्री का अनुमान है।

भगवान बांके बिहारी का रहस्यमयी खजाना खोला गया

मथुरा (आभा) । वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में रखे गए सदियों पुराने खजाने को आखिरकार खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. भगवान बांके बिहारी के इस खजाने को लगभग 160 वर्ष बाद धनतेरस के पावन अवसर पर विधि–विधान के साथ खोला जा रहा है. इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी पूरा जिला प्रशासन और मंदिर की हाई पावर्ड कमेटी बनी हुई है.

मथुरा. वृंदावन के ठाकुर बांके

बिहारी मंदिर का खजाना आखिरकार शनिवार को खोला जाने लगा. बताया जा रहा है कि यह खजाना लगभग 160 वर्ष पुराना है और इसे करीब 54 साल बाद फिर से खोला जा रहा है. खजाने को खोलने की प्रक्रिया गर्भगृह के मुख्य द्वार से आरंभ की गई. जहां पर पहले दीप प्रज्वलित किया गया और नीम की डाल रखी गई. इसके बाद विधिवत मंत्रोच्चार के बीच दरवाजा खोला गया. खजाने को खोलने की पूरी प्रक्रिया जिला प्रशासन की देखरेख में की जा रही है. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंदिर परिसर में सख्त पहरा लगाया गया है. प्रशासन ने खजाने की वीडियोग्राफी करवाई है ताकि हर एक गतिविधि का दस्तावेजीकरण किया जा सके. बताया जा रहा है कि इस खजाने में भगवान बांके बिहारी के बहुमूल्य आभूषण, स्वर्ण–रजत धातुएं और प्राचीन वस्तुएं मौजूद हैं.सूत्रों के अनुसार, यह खजाना मंदिर की प्राचीन परंपरा से जुड़ा हुआ है. कहा जाता है कि इस खजाने को खोलना वर्जित माना जाता था. मंदिर के कई पुजारी और सेवायत इस परंपरा को बनाए रखने के पक्ष में हैं. उनका कहना है कि यह खजाना "मर्यादा" का प्रतीक है और इसे खोलना उचित नहीं है. मंदिर के एक सेवायत पुजारी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह खजाना सदियों से भगवान की संपत्ति के रूप में सुरक्षित रहा है. पुजारी ने यह भी दावा किया कि इस खजाने में "नाग दादी बाला" सर्प भी बैठा हुआ है जो वर्षों से इसकी रक्षा कर रहा है।

डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' 'साहित्य वाचस्पति पुरस्कार' से सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को उनके साहित्यिक योगदान के लिए विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ द्वारा उन्हें 'साहित्य वाचस्पति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के आडिटोरियम में राज्य मंत्री श्यामबीर सैनी, संस्कृत अकादमी के निदेशक डा. आनन्द भारद्वाज, कुलपति डा. दयानन्द जायसवाल ने दिया।

पिछले पांच दशक से साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय और 'चाशनी' से लेकर 'किसी की दिवाली किसी का दिवाला', विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी हैं', 'सच का दस्तावेज', 'खुशियों की गौरैया' बाल सुमन, बालचेतना, 'नन्हें मुन्नों का संसार' आदि कृतियों के रचयिता डॉ. जगमग कृत चाशनी का अब तक छह संस्करण प्रकाशित हो चुका है।

सम्मान से अभिभूत डॉ. जगमग ने कहा कि उन्होंने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शब्दों में उतार

दिया, यह क्रम अनवरत जारी है। पुरस्कारों से और बेहतर सृजन की क्षमता मिलती है। डा. राम कृष्णलाल 'जगमग' को 'साहित्य वाचस्पति पुरस्कार' से सम्मानित ज्ञानेंद्र द्विवेदी 'दीपक', विनोद कुमार किये जाने पर कुलाधिपति डा. रामजन्म मिश्र, कुल सचिव डा. देवेन्द्रनाथ शाह, डा. राधेश्याम बंधु, डा. वी.के. वर्मा, डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, विनोद उपाध्याय, डा. हेमा पाण्डेय, डा. ओ.पी. वर्मा, बीके मिश्र, डॉ. अफजल हुसेन 'अफजल', पेशकार मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी के साथ ही देश के प्रमुख साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

दिव्यांगजन दीपावली मेले में उमड़े लोग, किया खरीदारी, बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को मण्डल स्तरीय दिव्यांगजन दीपावली मेला 2025 का आयोजन आचार्य राम चन्द्र शुक्ल मेमोरियल पुस्तकालय टाउन क्लब में किया गया। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल, भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह ने दिव्यांगों द्वारा हस्त निर्मित सामानों, के स्टालोंका निरीक्षण कर उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि स्वदेशी अपनाकर ही देश सच्चे अर्थों में समृद्ध होगा।

स्वर्गीय रामचन्द्र लाल एजूकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटी 531 विवेकानन्द कालोनी मड़वानगर की प्रबंधक प्रीती श्रीवास्तव ने बताया कि दिव्यांगों द्वारा हस्त निर्मित सामानों को लेकर लोगों में विशेष उत्साह रहा और खरीदारी किया। इसके साथ ही सामूहिक स्टाल आयोजन के क्रम में श्री सर्व हितकारी सेवा संस्थान द्वारा संचालित श्रीराम लखन लाल कॉलेज ऑफ स्पेशल एजूकेशन शनिचरा बाजार के निदेशक विनोद कुमार श्रीवास्तव के स्टाल को सराहा गया। मण्डल स्तरीय दिव्यांगजन दीपावली मेले में अनेक संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाये गये थे। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कार्यक्रम में उप निदेशक दिव्यांगजन मोनिका लाल, मण्डलीय अधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव, रवीश चन्द्र, मोनिकालाल, जिला दिव्यांग सशक्तीकरण अधिकारी, लालजी यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी के साथ ही अनेक खण्ड शिक्षा अधिकारी आदि शामिल रहे। स्टालों के संचालन में मुख्य रूप से विजय लक्ष्मी जायसवाल, अर्चना अग्रवाल, सुनीता श्रीवास्तव, विनीता श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, अनीता राय, सोनू गुप्ता, मंजू सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव, मधु मिश्रा, सारिका यादव, अंजना त्रिपाठी, पलक श्रीवास्तव, स्पेशल शिक्षक अशुल श्रीवास्तव, जय प्रकाश श्रीवास्तव के साथ ही अनेक लोगों ने योगदान दिया।

सेन्ट्रल एकेडमी में उल्लास से मनाया गया दीपावली का पर्वः छात्रों ने सजाये दीये, रंगोली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेन्ट्रल एकेडमी में दीपावली का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। छात्र–छात्राओं ने रंगोली, बनाकर दीये सजाये।

निदेशक जे.पी. तिवारी ने छात्रों को दीपावली पर्व के महत्व की जानकारी देते हुये कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य के विजय का संदेश है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम जब रावण का वध कर 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या पहुंचे तो नगरवासियों ने दीये जलाकर उनका स्वागत किया। तब से यह परम्परा चली आ रही है। यह उत्सव हमें अंधकार के विरूद्ध संघर्ष और प्रकाशित होने का संदेश देता है।

सहायक निदेशक अनुज तिवारी, प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को दीपोत्सव के पंच पर्व की जानकारी देते हुये बताया कि किसानों के खेत में धान की फसल पककर तैयार हो जाती है और वह उत्सव बनाकर अपने आराध्य की प्रार्थना करता है कि जीवन हम अंधकार से प्रकाश की ओर चले।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं राजश्री तिवारी, ज्योति, महक, तनीशा, कान्हा, शिवाय, वेदांश, सात्विक, ऋचा, अरमान, अक्षय, अवनीश, दर्पण, अतुल, मानसी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आयुष, आदिश्री, खुशी, सचिन, फरहान, शाश्वत, अभिज्ञान बाल्मीकि, अलका, आराध्या पाण्डेय, गरिमा पाण्डेय, कार्तिक दूबे, अंजली, ऐंजल, मोहिनी, अलका, अदिति मिश्रा, दिव्यांशी, अन्वी, निशिका, गरिमा, मानसी, खुशी, प्रियाशी, वेदांश, देवांश, रवि, आरोही, रितिका, सौम्या, श्रेष्ठ, प्राजल, अंशी, श्रद्धा, सौम्या, अर्नव, उज्जवल, रितिक, पाखल, अक्षय, निधि, निषिता आदि ने रोचक रंगोली बनाकर दीये सजाने के साथ ही दिये बनाये। विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया गया।

मुख्य रूप से आबिद अरशद, द्विजेन्द्र, सुधा गौड़, प्रियंका त्रिपाठी, शिखा, महेश पाण्डेय, रूचि, जैवी, श्रेया, आदि ने छात्रों को दीप पर्व की विस्तार से जानकारी दिया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने दीप पर्व का उपहार भेंट किया।

विकास भवन कर्मचारी संघ के चौथी बार अध्यक्ष बने राम अधार पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को विकास भवन कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दे, पुरानी पेंशन की बहाली, आठवें वेतन आयोग के गठन आदि पर विस्तार से चर्चा हुई। दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष अशोक मिश्र की देख रेख में पदाधिकारियों का सर्व सम्मत से चुनाव सम्पन्न हुआ। राम अधार पाल चौथी बार अध्यक्ष, दीपमणि शुक्ल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ओम प्रकाश महामंत्री, मनोज कुमार संगठन मंत्री, मुकेश सोनकर कोषाध्यक्ष और रामलाल लेखा सम्प्रेक्षक चुने गये।

चौथी बार विकास भवन कर्मचारी संघ का अध्यक्ष चुने जाने पर राम अधार पाल ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में वे निरन्तर कर्मचारी हितों को लेकर संघर्षरत हैं। स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिये जहां जिलाधिकारी से अनेकों स्तर पर वार्ता कर समस्याओं का समाधान कराया गया वहीं प्रान्तीय और राष्ट्रीय मुद्दों के सभी आन्दोलनों में विकास

–अधिवेशन में गूंजा पुरानी पेंशन बहाली, आठवें वेतन आयोग के गठन का मुद्दा

भवन कर्मचारी संघ का निर्णायक योगदान रहा है।

द्विवार्षिक अधिवेशन का डी.सी. मनरेगा संजय शर्मा ने दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन के साथ ही निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, मंत्री तौलू प्रसाद, कोषागार अध्यक्ष अखिलेश पाठक, पी.डी.डी.आर.डीए. राजेश कुमार, दीवानी न्यायालय अध्यक्ष अशोक सिंह, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ महामंत्री आशीष कुमार, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ अध्यक्ष अभिषेक सिंह, अजीत सिंह, रामस्वारथ चौधरी, सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य आदि ने कर्मचारी समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये एकजुटता पर जोर दिया।

द्विवार्षिक अधिवेशन में मुख्य रूप से समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ल, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल, गोवर्धन उपाध्याय, राजा शेर सिंह, आलोक चौधरी, अजय प्रताप पाण्डेय, फरजाना, ऊषादेवी, पुष्पा तिवारी, संगीता , वीरेन्द्र प्रताप, धीरेन्द्र यादव, आशुतोष, सज्जन उपाध्याय, विकास गुप्ता, संजय चतुर्वेदी, राजेश श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र, मनोज कुमार, अमित कुमार, दिनेश श्रीवास्तव, मो. परवेज, सुरेन्द्र पाल, इश्तियाक अहमद, अखिलेश शरण पाण्डेय, सुजीत कुमार, सुमिरन प्रसाद, संजय श्रीवास्तव के साथ ही अनेक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

युगों तक याद किया जायेगा धन्वन्तरि का योगदान–डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पटेल एस.एम. हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में धन्वन्तरि दिवस संकल्पों के साथ मनाया गया। आयुष चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि धन्वन्तरि ने मानव जीवन की पीड़ा को हरने के लिये अपने समय काल में जिस आयुर्वेद को जन्म दिया उसकी उपयोगिता सदैव बनी रहेगी. कोरोना संकट काल में आयुर्वेद और होम्योपैथ अनेक गरीबों का जीवन बचाने में सफल रहा। कहा कि धन्वन्तरि ने आयुर्वेद की नींव रखी, आज यह विधा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। धन्वन्तरि का योगदान युगों तक याद किया जायेगा।

निदेशक डॉ. आलोक रंजन ने कहा भगवान धन्वन्तरि आयुर्वेद जगत् के प्रणेता तथा वैद्यक शास्त्र के देवता

माने जाते हैं। भारतीय पौराणिक दृष्टि से 'धनतेरस' को स्वास्थ्य के देवता धन्वन्तरि का दिवस माना जाता है। धन्वन्तरि आरोग्य, सेहत, आयु और तेज के आराध्य देवता हैं. धनतेरस के दिन उनसे प्रार्थना की जाती है कि वे समस्त जगत् को निरोग कर मानव समाज को दीर्घायु प्रदान करें।

कार्यक्रम में डॉ. आर. एन. चौधरी, प्राचार्य डा. मनोज मिश्र, डा. चन्दा सिंह, लालचंद यादव, वीरेन्द्र कुमार, ध्रुव चंद्र वर्मा, रितेश चौधरी, मनीष कुमार चौधरी, उत्कर्ष दूबे, डा. इरफाना बानो, शिव प्रसाद, श्याम किशोर दूबे, गोल्डी, फूलमती, मनीषा, सविता गौतम, शालू यादव, लक्ष्मी, रंजना, शाजिया, अनीता वर्मा, राजेश सिंह, राम स्वरूप, शिवशंकर तथा पैरामेडिकल कालेज के छात्र, छात्राओं सहित अन्य लोग शामिल हुए।

प्रशासन के लिखित आश्वासन पर भाकियू ने स्थगित किया धरनाः भेलमापुर में खुलेगा गन्ना कय केन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। किसान समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन लिखित आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया है। शनिवार को प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन दिया गया कि भेलमापुर में गन्ना कय केन्द्र खोला जायेगा, इसके लिये जिला गन्ना अधिकारी ने विकमजोत गन्ना समिति के सचिव को निर्देशित किया कि बभनान चीनी मिल को निर्देश दिया जाय कि भेलमापुर में गन्ना कय केन्द्र खोले जाने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाय।

यह जानकारी देते हुये भाकियू जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी ने बताया कि भेलमापुर में गन्ना कय खोले जाने की स्वीकृति प्रशासन द्वारा दिये

जाने के बाद धरना स्थगित कर दिया गया है। भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी, मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र कुमार चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र किसान, प्रदेश सचिव एवं निवर्तमान अध्यक्ष गन्ना समिति मुण्डेरवा दिवान चन्द पटेल, पूर्वान्चल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोभाराम ठाकुर जयराम चौधरी, रामचन्द्र सिंह, डा. आर.पी. चौधरी, अजय कुमार पाण्डेय, अरविन्द वर्मा, विनोद वर्मा, राम कुमार वर्मा, श्रवण चौधरी, राम सिंह, विनोद कुमार चौधरी, आज्ञाराम, भाष्कर दूबे, रामदास, हृदयराम वर्मा, जगदम्बा, जनार्दन मिश्र, राम सागर चौधरी, सुधाकर दूबे, रमाशंकर यादव, लक्ष्मण चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में उपस्थिति भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि प्रशासन पहले उनकी मांग मान लेता तो धनतेरस के दिन आन्दोलन न करना पड़ता।

परिषदीय विद्यालयों की शिक्षा को प्रभावी बनाएं शिक्षक–संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शनिवार को जनपद के सभी विकासखण्डों के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों का तीन दिवसीय आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य एवं एडी बेसिक बस्ती मंडल संजय शुक्ल ने कहा की आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण में गणित और विज्ञान किट के प्रयोग के साथ ही विद्यालय संचालन में उपलब्ध संसाधनों के प्रयोग पर जोर है। वर्तमान प्रदेश में डिजिटल लिटरेसी को शैक्षिक संसाधन के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में संदर्भदाताओं द्वारा बेहतर ढंग से बताई गई चीजों का सभी प्रतिभागी अपने विद्यालयों में अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। कहा कि वर्तमान समय में समाज में बदलाव को देखते हुए हमें परिषदीय स्कूलों की शिक्षा को प्रभावी बनाना होगा। आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण के मोडल प्रवक्ता अमन सेन ने कहा कि मौजूदा परिवेश को देखते हुए शिक्षा को रोचक बनाने से लेकर खेल की गतिविधियों को विस्तार देने कमजोर बच्चों की मदद करने के साथ ही शिक्षा को आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता है। आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण के संदर्भदाता प्रवक्ता अमन सेन, रविनाथ, कल्याण पाण्डेय और एसआरजी अशीष कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय संचालन में उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग, बनकटी ब्लॉक के गणित एआरपी मनोज उपाध्याय ने गणित किट का

–आवश्यकता आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रयोग, सल्टौआ ब्लॉक के विज्ञान एआरपी अनुराग श्रीवास्तव ने विज्ञान किट का प्रयोग, नगर क्षेत्र की सामाजिक अध्ययन एआरपी गिरिजा त्रिपाठी ने इको क्लब मिशन फॉर लाइफ, शिक्षक अनूप कुमार सिंह ने डिजिटल लिट्रेसी, डीसी एमआईएस ईश्वर पांडेय ने सूचना प्रबंधन, एसआरजी अंगद प्रसाद पांडेय ने विद्यालय भवन एवं किचन गार्डन, डीसी सत्येंद्र श्रीवास्तव ने सामुदायिक सहभागिता पर विस्तार से चर्चा किया।

शनिवार को ही डायट में पैरा ओलंपिक खिलाड़ी विषय पर कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। जिसमें 'कहानी सुनाओ प्रतियोगिता' में प्राथमिक स्तर से अभिषेक त्रिपाठी ब्लॉक दुबौलिया एवं उच्च प्राथमिक स्तर से अनामिका सिंह ब्लॉक साऊंघाट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को डायट प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर प्रतियोगिता का समापन किया गया। निर्णायक मंडल में जीजीआईसी की प्रवक्ता अंजू और वीणा तथा जीआईसी के प्रवक्ता सुशील कुमार शामिल रहे। कहानी सुनाओ प्रतियोगिता की नोडल प्रवक्ता वन्दना चौधरी ने बताया कि कहानी के माध्यम से शिक्षक को सकारात्मक दृष्टिकोण, गुणात्मक सुधार, बच्चों एवं स्वयं के जीवन में संघर्ष, त्याग, समर्पण के साथ तथा संसाधनों के पूर्णतः के अभाव में भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द प्रसाद, डॉ ऋचा शुक्ला, कुलदीप चौधरी, डॉ रविनाथ, वंदना चौधरी, कल्पाण पांडेय, अमन सेन, वर्षा पटेल, नवनीत वर्मा, अनिल चौधरी, रमाकांत प्रशिक्षुओं में संदीप, नागेश, शिवम, सूरज मंडल, अमरेंद्र, ज्ञानेन्द्र, अजय, अरुण ने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वन में योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 अक्टूबर 2025 रविवार

सम्पादकीय

त्यौहारों में घर जाने की चुनौती

हर वर्ष त्योहारों पर घर जाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जद्दोजहद करनी पड़ती है। जबकि सरकार यह दावा करती है कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई है। विशेष गाड़ियां भी चलाई जा रही हैं। फिर भी ये कम क्यों पड़ रही हैं? हालत यह है कि दीपावली और छठ से पहले देश के विभिन्न शहरों से अन्य दिशाओं खासकर पूरब या बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए टिकट हासिल करना युद्ध जीत लेने जैसा होता है। भारी संख्या में लोग किसी ट्रेन में टिकट न मिलने पर निराश होते हैं। यहां तक कि तत्काल कोटे में भी लोगों को सीट नहीं मिलती। इसके लिए जो नियम—कायदे अब बनाए गए हैं, उससे आमतौर पर साधारण यात्रियों को असुविधा ही हो रही है।

दूसरी ओर मुंबई, पुणे, सूरत, बंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े शहरों से लखनऊ, पटना और कोलकाता जाने वाले विमानों का महंगा किराया विकल्पों को सीमित कर देता है। रेलवे ने प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को राहत देने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन जरूर किया है, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है।

त्योहारों पर हर बार बड़ी संख्या में ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी जाती है। फिर भी यात्रियों को टिकट नहीं मिलता। सवाल है कि बारह हजार से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा के बावजूद यात्रियों के लिए आसानी से टिकट उपलब्ध क्यों नहीं है? खासतौर पर होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर यह हर वर्ष की समस्या है। सरकार के सामने ऐसे मौके पर ट्रेनों की जरूरत का पूरा अनुमान और हिसाब होता है, मगर यह समस्या बदस्तूर कायम है। यह कड़वा सच है कि आज भी हजारों यात्री जान जोखिम में डाल कर सामान्य कोच से अपने घर जाते हैं।

प्लेटफार्म पर कभी—कभी भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जाहिर है, यात्रियों की संख्या के हिसाब से चलाई जा रही ट्रेनें पर्याप्त नहीं हैं। विकल्प के तौर पर कई लोग बसों से यात्रा करते हैं, जो काफी जोखिम भरा और बेहद महंगा भी होता है। एक ओर, बुलेट ट्रेन चलाने सहित भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा बनाने के दावे किए जाते हैं, दूसरी ओर पर्व—त्योहार के मौके पर लाखों लोगों के लिए अपने गांव—घर जाना एक मुश्किल चुनौती है।

माओवाद का आत्म समर्पण

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के हाथों भारतीय संविधान की कॉपी ग्रहण कर वरिष्ठ माओवादी नेता मालोजुला वेणुगोपाल राव और उनके 60 अन्य साथियों ने समर्पण कर दिया। इसके साथ ही फड़णवीस ने एलान किया कि उत्तर गढ़चिरौली से माओवाद का खात्मा हो गया है, जबकि दक्षिण गढ़चिरौली में इसका थोड़ा—बहुत प्रभाव बाकी है। उधर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में अब 'वामपंथी चरमपंथ' से अति ग्रस्त जिलों की संख्या महज तीन रह गई है, जबकि 2025 के आरंभ में यह छह थी। साधारण तौर पर 'वामपंथी चरमपंथ' से ग्रस्त जिलों की संख्या 18 से घट कर 11 रह गई है। गुजरे एक साल में सैकड़ों माओवादी मारे गए हैं, गिरफ्तार हुए हैं या उन्होंने समर्पण कर दिया है।

समर्पण करने वालों में कई बड़े चेहरे शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपयों का इनाम घोषित था। तो इस तरह भाजपा सरकारें यह कहने की स्थिति में हैं कि 'वामपंथी चरमपंथ' को कानून—व्यवस्था की समस्या मानने का उनका नजरिया सही साबित हुआ है। कभी माओवादी पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (आंध्र प्रदेश) तक लाल कॉरिडोर बनाने के प्रयास में जुटे हुए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 'वामपंथी चरमपंथ' को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। मगर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दावा सच होने के करीब है कि फरवरी 2026 तक माओवाद का सफाया हो जाएगा।

बहरहाल, यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का यह पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। विचारणीय है कि क्या राजनीति में अतिवादी दृष्टिकोण अपनाना और भारतीय राज्य के खिलाफ हर सामाजिक विभाजन रेखा का लाभ उठाने की उनकी रणनीति उनके लिए घातक साबित हुई? इस रणनीति के तहत धीरे—धीरे वे पहचान की राजनीति के इर्द—गिर्द गोलबंदी करने की हद तक चले गए, जिससे वे एक बंद गली में पहुंचे। इसी समय सरकार के नजरिए में आया बदलाव उन पर भारी पड़ा। नतीजा यह हुआ कि आखिरकार संवैधानिक दायरे के अंदर आने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा है।

मन का अंधकार दूर करने की दीपावली

— डॉ प्रियंका सौरभ—

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहरकर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है?

आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार कृ ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता कृ को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाजार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है।

दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए कृ पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह

दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि मन के अंधकार को मिटाने और आत्मा में उजाला भरने का अवसर है। आज यह जरूरी है कि हम इसे दिखावे या प्रदूषण का उत्सव न बनाएं, बल्कि सादगी, करुणा और प्रेम का पर्व बनाएं। जब हम दूसरों के जीवन में रोशनी बाँटते हैं, तभी सच्चा सुख और सुकून प्राप्त होता है। दीपावली का असली अर्थ है हर मन में शांति, हर घर में प्रेम और हर समाज में समरसता का प्रकाश।

याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक "इवेंट" बना दिया है फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है।

आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है।

दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है कृ वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं , उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो।

हमारे शास्त्र कहते हैं तमसो मा ज्योतिर्गमय कृ यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है।

त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है।

आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को "समावेशिता का पर्व" बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति—धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता कृ ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके कृ किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे कृ तो वही दीपावली सबसे उज्ज्वल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे।

दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि "दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है।" इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि "थोड़े में भी बहुत" कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली है।

आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प ले कृ कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा।

कभी—कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है।

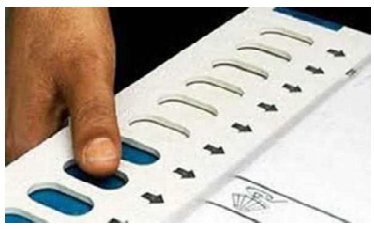

दीपावली का अर्थ केवल "दीप" नहीं, "आवली" अर्थात् श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है कृ एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा।

अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे। शोर और प्रदूषण से दूर, सरलता और स्नेह से भरी दीपावली ही सच्चे अर्थों में "खुशियों और सुकून की दीपावली" होगी। यही दीपक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा जहाँ रोशनी केवल बिजली से नहीं, बल्कि इंसानियत से फैलती है।

मतदाताओं को बचाना होगा लोकतंत्र

—विश्वनाथ सचदेव—

नेताओं पर लगे आरोपों की जांच का काम अदालत का है, पर ऐसे नेताओं को समर्थन न देने का दायित्व और अधिकार मतदाता के पास ही है। इस अधिकार का ईमानदार उपयोग होना ही चाहिए। यह दायित्व भी मतदाता का ही बनता है कि वह अपने विवेक की छलनी का उपयोग करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीति से बाहर रखे।

अपराध अपराध ही होता है चाहे छोटा हो या बड़ा, लेकिन राजनीति की दुनिया में अपराध को अपराध ही नहीं माना जाता। जब भी किसी राजनेता पर कोई आरोप लगता है तो उसे राजनीति से प्रेरित बता दिया जाता है। बात यहीं नहीं रुकती। आरोप प्रमाणित हो जाने के बाद भी राजनेता अक्सर यही कहते रहते हैं कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फंसाया जा रहा है। आज लालू—परिवार यही दुहरा रहा है। दिल्ली की एक अदालत में लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को सुनवाई के लायक घोषित कर दिया है। अब इस संदर्भ में मुकदमा चलेगा, कानूनी दांव—पेंच काम में लिए जाएंगे। कानूनी लड़ाई की एक लंबी चलने वाली एक और कहानी की शुरुआत है यह। लालू परिवार अपराधी है या नहीं, यह तो भविष्य ही बताएगा, पर आज जो सवाल पूछा जा रहा है वह यह है कि अदालत का यह निर्णय आज ही क्यों आया?

वैसे तो इसका उत्तर बहुत आसान है। मामला अदालत के विचाराधीन था, आज अदालत ने अपना निर्णय दे दिया। और यह सही भी है। पर अदालत के इस निर्णय के समय को लेकर बातें हो रही हैं। ऐसा नहीं है कि इस निर्णय का अर्थ लालू—परिवार को अपराधी मान लिया जाना होगा। यह तो आने वाला कल ही तय करेगा कि आरोप सही हैं या गलत, लेकिन इस हकीकत को तो स्वीकारना ही होगा कि हमारी राजनीति और अपराध में जब—तब एक रिश्ता दिखने लग जाता है। राजनीति से जुड़े आपराधिक मुकदमे लंबे चलते हैं, उतनी ही लंबी कहानी राजनीति और अपराध के रिश्तों की भी है। ये रिश्ते कभी प्रमाणित होते हैं, कभी नहीं होते। पर राजनीति और अपराध के रिश्तों से इंकार नहीं किया जा सकता।

कुछ ही अर्सा हुआ जब चुनाव—अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि देश के तीस मुख्यमंत्रियों में से चालीस प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले चलने की बात स्वीकारी है! यह सही है कि आपराधिक मामला होने का मतलब किसी का अपराधी होना नहीं होता, किसी को अपराधी घोषित करने के लिए उसका अपराध प्रमाणित होना चाहिए। पर गलत यह भी नहीं है कि सारे आरोपों को राजनीतिक कारणों से होने की बात को सहज ही नहीं स्वीकार किया जा सकता। चालीस प्रतिशत मुख्यमंत्रियों द्वारा आपराधिक मामले घोषित करना एक गंभीर बात है। ये सारे मामले छोटे—मोटे अपराधों वाले भी नहीं हैं। सब तरह के आरोप लगते हैं हमारे नेताओं पर, इनमें से लगभग आधे तो फौजदारी मुकदमे हैं। इसका मतलब है इन पर जो आरोप लगे हैं उनमें हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे गंभीर आरोप भी हैं।

सवाल सिर्फ मुख्यमंत्रियों तक ही सीमित नहीं है। गली—मोहल्ले के छुटभैये नेताओं से लेकर देश के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता तक पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। यह हकीकत अपने आप में बहुत कुछ कह रही है कि आज लोकसभा के 543 सांसदों में से 251 पर, यानी आधे नेताओं पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से पच्चीस से अधिक को दोषी करार दिया जा चुका है!

अपराध और राजनीति से जुड़े आंकड़े और भी बहुत कुछ कह रहे हैं। हरियाणा में दस सांसद हैं, इन पर दागदार सवाल हैं। छत्तीसगढ़ में भी यही हाल है। केरल में बीस में से उन्नीस सांसद आरोपों के घेरे में हैं। तमिलनाडु में 39 में से 36 सांसद आरोपी हैं। इसी तरह उड़ीसा में 21 में से 16, तेलंगाना में 17 में से 14, मध्य प्रदेश में 29 में से 9 सांसदों ने अपने घोषणापत्रों में यह स्वीकारा है कि उनके खिलाफ आरोपों के मामले चल रहे हैं। बात संसद तक ही सीमित नहीं है, विधानसभाओं, पंचायत, नगरपालिकाओं आदि सब जगह पर राजनेताओं के चेहरों पर भ्रष्टाचार की कालिख दिखाई देती है। ऐसा भी नहीं है कि किसी एक राजनीतिक दल के सदस्यों पर ही अपराध से जुड़े होने के आरोप लगते हैं। शायद ही कोई दल बचा होगा जो ईमानदारी से अपनी चादर के उजले होने का दावा कर सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18वीं लोकसभा में भाजपा के 240 में से 94 सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, कांग्रेस के 99 में से 49 पर, समाजवादी पार्टी के 37 में से 21 पर, तृणमूल कांग्रेस के 29 में से 13, द्रमुक के 22 में से 13, शिवसेना के सात में से पांच सांसद आरोपों के घेरे में हैं।

आंकड़े और भी बहुत से हैं जो यह प्रमाणित करते हैं कि हमारे राजनेताओं को इन आरोपों से कुछ फर्क नहीं पड़ता। लॉन्ड्री से धुले, कलफ लगे कपड़े पहनकर वे स्वयं को उजला राजनेता घोषित करते—फिरते हैं। एक बार मैंने महाराष्ट्र के एक विधायक से यह पूछा था कि वह दिन में कितनी बार कपड़े बदलते हैं तो उन्होंने खिसयानी हंसी हंसते हुए बताया थाकृचार—पांच बार तो बदलने ही पड़ते हैं। फिर मेरे पूछने पर यह भी बताया था कि इन कपड़ों की धुलाई पर पांच सौ रुपए तो खर्च ही हो जाते हैं। और मैं सोच रहा था, यह है देश के एक नेता का हाल जिसमें अस्सी करोड़ नागरिक दो समय की रोटी के लिए सरकार द्वारा बांटे जाने वाले पांच किलो अनाज पर निर्भर करते हैं! फिर जब इन उजले कपड़ों वाले राजनेताओं पर आरोपों की कालिख लगती है तो उनसे ज्यादा स्वयं को अपने पर शर्म आती है कि हम किन और कैसे नेताओं को चुनकर अपना भाग्य उनके हाथों में सौंप देते हैं।

आज जब कोई लालू—परिवार या कोई भी राजनेता, अपराध के आरोपों से घिरा दिखता है तो यह सवाल अनायास होता है कि आखिर इन नेताओं को प्रश्रय कौन दे रहा है? राजनीतिक दलों की यह कैसी मजबूरी है कि उन्हें दागी नेताओं को अपना उम्मीदवार चुनना पड़ता है और मतदाता की क्या मजबूरी है कि वे आरोपी—अपराधी नेताओं को अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजते हैं?

मतदाता की विवशता वाला सवाल उठाना आज ज्यादा जरूरी है। होगी कोई विवशता राजनीतिक दलों की भ्रष्ट व्यक्तियों को अपना उम्मीदवार बनाने की, पर क्या जरूरी है कि मैं किसी भ्रष्ट राजनेता को अपना वोट दूं? सन 1952 में देश में पहले चुनाव हुए थे। तब से लेकर आज तक लगभग तीन—चौथाई सदी में अपराध और राजनीति के नापाक रिश्ते लगातार उजागर हो रहे हैं। इन रिश्तों पर मतदाता की नजर क्यों नहीं अटकती? अटकनी चाहिए। नेताओं पर लगे आरोपों की जांच का काम अदालत का है, पर ऐसे नेताओं को समर्थन न देने का दायित्व और अधिकार मतदाता के पास ही है। इस अधिकार का ईमानदार उपयोग होना ही चाहिए। यह दायित्व भी मतदाता का ही बनता है कि वह अपने विवेक की छलनी का उपयोग करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीति से बाहर रखे। सिर्फ अदालतों के भरोसे यह काम होने से रहा।

समृद्ध का संदेश देते हैं पर्व

— रमेश सर्राफ धमोरा—

धनतेरस का त्योहार दीपावली पर्व के प्रारम्भ को दर्शाता करता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ—साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग—अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई—बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप—पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

किसानों के हितों से कोई भी समझौता नहीं करेंगे –शिवराज सिंह चौहान

संवाददाता–देवरिया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि किसानों की सेवा ही भगवान की सेवा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर किसान की आय को दुगनी करना हमारा ध्येय है। गौरवशाली, आत्मनिर्भर समृद्ध भारत का निर्माण हमारा लक्ष्य है। भारतीय किसानों के हितों से कोई भी समझौता नहीं करेंगे। धन धान्य से भरा पड़ा है हमारा देश है। हमको फसलों का उत्पादन बढ़ाना है। केंद्रीय कृषि मंत्री पथरदेवा स्थित आचार्य नरेंद्र देव इंटर कालेज में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वह मुख्य अतिथि के रूप में स्वर्गीय रविंद्र किशोर शाही की पुण्यतिथि पर आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले के दूसरे दिन पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि किसानों भाइयों अच्छी फसल के लिए अच्छे बीज का प्रयोग करें।

गड़बड़ और खराब बीज बचने वाले सावधान हो जाएं। कठोर कार्रवाई की जाएगी। कड़ा कानून और बड़ा कानून लाएंगे। प्राकृतिक खेती को अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए भी धरती और माटी की सुरक्षा करें। इसके लिए अधिक उर्वरक और कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से बचना होगा। इससे पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने स्वर्गीय रविंद्र किशोर शाही की प्रतिमा का पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही, मेले में लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण करके प्रतिभागी किसानों औ छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम में योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और अन्य सामग्री का वितरण भी किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान, प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, कुशीनगर के सांसद विजय कुमार दुबे, सदर विधायक शलभ मणि, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत जिले के प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दिया

संवाददाता–देवरिया। सदर रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह एक युवक ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों की सूझबूझ और तत्परता से उसकी जान बच गई। इस दौरान युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना देवरिया सदर रेलवे स्टेशन के पास चिरैया ढाला पर हुई। युवक अचानक रेलवे ट्रैक के पास पहुंचा और आती हुई ट्रेन के सामने कूदने की कोशिश करने लगा। वहां मौजूद लोगों ने युवक की हरकत देखकर शोर मचाया और उसे रोकने की कोशिश की। ट्रेन के बिल्कुल करीब पहुंचने से पहले ही कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए युवक को धक्का देकर पटरी से दूर खींच लिया। इस दौरान युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन–फानन में लोगों ने घटना की सूचना जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया भेजा गया। घायल युवक की पहचान विशाल कुमार (22 वर्ष) पुत्र मुकेश कुमार, निवासी बनकटवा वार्ड, जिला पूर्वी चंपारण, बेतिया (बिहार) के रूप में हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, युवक के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि युवक पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। हालांकि, उसकी परेशानी की वास्तविक वजहों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक स्टेशन के आसपास काफी देर तक घूम रहा था और अचानक ट्रेन आते देख पटरी पर उतर गया था। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक देवरिया क्यों आया था और उसने आत्महत्या का प्रयास क्यों किया।

सिंदुरिया में छात्रों ने सामाजिक मुद्दों पर दिखाई प्रतिभा

संवाददाता–महराजगंज। सीताराम इंटर कॉलेज, सिंदुरिया में शनिवार को छात्रों के रचनात्मक विकास के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रदुमन प्रसाद चौधरी ने किया।

मुख्य अतिथि रामहरख गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र–छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ–पृथ्वी बचाओ, नारी सशक्तिकरण, भ्रूण हत्या, नशा मुक्ति, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और गरीबी उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निबंध, भाषण, कविता और रंगोली प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

इस आयोजन में छात्रों की प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। ‘बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ’ विषय पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत कविता ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रभावित किया। वहीं, नशा मुक्ति पर छात्रों ने नाटक प्रस्तुत कर समाज में व्याप्त बुराइयों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। जल बचाओ, पृथ्वी बचाओ पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों की रचनात्मकता सराहनीय रही।शिक्षकों ने विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना की और उन्हें ऐसे आयोजनों में बढ़–चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य प्रदुमन प्रसाद चौधरी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल छात्रों की छिपी प्रतिभा को उजागर करते हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक प्रस्तुति श्राम–सीता एक झांकीश ने दर्शकों का मन मोह लिया। यह झांकी छात्रों द्वारा संचित की गई, जिसमें रामायण की झलक को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया। अभिनय की दृष्टि से यह प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।इस अवसर पर निर्णायक मंडल में रामलखन, अशोक कुमार, निखिल पटेल, संजीव पटेल और गनेश गुप्ता शामिल रहे।

विजेता छात्रों को सम्मानित करने के साथ कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रामहरख गुप्ता, संजय, रामदावन, अशोक कुमार, संदीप पटेल, गणेश गुप्ता और दीपक सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।यह रचनात्मक आयोजन विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और सामाजिक चेतना का संचार करने में सफल रहा। सीताराम इंटर कॉलेज द्वारा आयोजित यह प्रयास शिक्षा के साथ संस्कारों को जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुई।

पुलिस ने 5 वारंटी अभियुक्तों को पकड़ा

संवाददाता–गोंडा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देश पर तरबगंज पुलिस ने पांच वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय और क्षेत्राधिकारी उमेश्वर प्रभात सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कमलाकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में से तीन को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। वहीं, दो अभियुक्तों को मौके पर ही जमानत दे दी गई। इन दोनों ने न्यायालय द्वारा जारी रिकॉल की छायाप्रति प्रस्तुत की थी, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर उन्हें जमानत मिली। गिरफ्तार किए गए वारंटियों के नाम इस प्रकार हैं–ननकू यादव पुत्र देवी प्रसाद (निवासी गौहानी), मुकेश निषाद पुत्र राम सिंगर (निवासी बनगांव), नीधर पुत्र रतिराम (निवासी दुलंबीपुरवा), तूफानी पुत्र मेही लाल (निवासी कटहा, कड़रहनपुरवा) और राजकुमार पुत्र रामजस (निवासी कटहा, कड़रहनपुरवा)। तूफानी और राजकुमार को रिकॉल के आधार पर जमानत मिली।

एसडीएम ने लेखपाल को लगाई फटकार, तहसील दिवस में जनहित मामलों में लापरवाही पर कार्रवाई

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुहीराज तहसील में शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) आकांक्षा मिश्रा ने जनहित से जुड़े एक मामले में लापरवाही बरतने पर राजस्व विभाग के एक लेखपाल को कड़ी फटकार लगाई। इस दौरान कुल 22 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से दो का तत्काल निस्तारण किया गया।एसडीएम मिश्रा ने लेखपाल को चेतावनी देते हुए कहा कि जनहित से संबंधित मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रार्थना पत्र का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए, ताकि जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। तहसील दिवस में प्राप्त 22 प्रार्थना पत्रों में से 8 राजस्व विभाग से, 6 पुलिस विभाग से, 1 विकास विभाग से और 7 अन्य श्रेणियों से संबंधित थे। इनमें से राजस्व से जुड़े दो मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।शेष 20 मामलों को आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया है। एसडीएम ने जोर देकर कहा कि तहसील दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है, और अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों की ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।

आरएसएस स्वयंसेवकों का पथ संचलन, फाजिलनगर में शताब्दी वर्ष पर हुआ आयोजन, व्यापारियों ने किया स्वागत

संवाददाता–कुशीनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में फाजिलनगर में एक पथ संचलन का आयोजन किया गया। इसमें स्वयंसेवकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पावानगर महावीर इंटर कॉलेज से शुरू हुए इस संचलन के दौरान कस्बे के व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. हेडगेवार और माधवराव गोलवरकर के चित्रों पर पुष्प अर्पित करने और संघ प्रार्थना के साथ हुआ। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए जिला संघ चालक रामाश्रय ने कहा कि आरएसएस की स्थापना का मूल उद्देश्य राष्ट्र प्रेम, सेवा भावना और राष्ट्र चेतना को जागृत करना है। उन्होंने इसे राष्ट्र सेवा का एक सतत आंदोलन बताया।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के सह प्रांत संगठन मंत्री दीपेश कुमार ने कहा कि यह आयोजन शताब्दी वर्ष को यादगार बनाने के साथ–साथ युवाओं और स्थानीय समाज में संगठन की कार्यशैली, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी जागृत करेगा। इसका उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश का संचार करना है।

इंटर कॉलेज से शुरू हुआ यह पथ संचलन कॉलेज रोड, मुख्य बाजार, अस्पताल रोड से होते हुए ब्लॉक रोड पहुंचा और पुनः इंटर कॉलेज में आकर समाप्त हुआ। यात्रा के दौरान सभी स्वयंसेवक गणवेश में थे और राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए थे। इस संचलन में भाजपा मंडल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल, भाजपा नेता चंद्रप्रकाश यादव चमन, डीडीयू के छात्र नेता मनोज चौबे, सत्यम शुक्ला, दिव्यांश जीत शाही, राणा प्रताप मिश्र, सभासद कमलेश वर्मा, विनय तिवारी, डॉ. कमलेश शाही, धीरज वर्मा, उमेश गुप्ता, खंड कार्यवाह अंशुमान, अशोक और विश्वामित्र सहित कई स्वयंसेवक शामिल रहे।

मां शशि शांति सेवा ट्रस्ट ने विद्यालयों में बांटे मिष्ठान

संवाददाता–गोण्डा। तरबगंज विकासखंड में मां शशि शांति सेवा ट्रस्ट ने दीपावली और धनतेरस के उपलक्ष्य में कई विद्यालयों में मिठाइयों का वितरण किया। यह आयोजन बच्चों को पर्व की शुभकामनाएं देने के लिए किया गया।

ट्रस्ट ने राजकीय महाविद्यालय करनीपुर, प्राथमिक विद्यालय जूनियर हाईस्कूल करनीपुर, कम्पोजिट विद्यालय सेमरा और जमाखानी सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मिष्ठान वितरित किए। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य आदित्य रंजन ने बताया कि दीपोत्सव का यह पर्व हमारी संस्कृति और राष्ट्र की उन्नति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतवासी दीपक जलाकर माँ लक्ष्मी, गणेश जी और भगवान श्री रामजानकी लक्ष्मण जी का पूजन करते हैं, जिससे राष्ट्र में व्याप्त कुरीतियां दीपक की लौ में भस्म हो जाएं और हमारा राष्ट्र निरंतर प्रकाश फैलाता रहे। इस मौके पर ट्रस्ट के प्रबंधक पं. दिलीप मिश्र, सचिन कौशिक, विपिन शुक्ल, आयुष निरंजन मिश्र, दिलीप पांडेय, मोहित तिवारी, रमेश तिवारी, अनुपम शुक्ला एडवोकेट, लेखपाल संघ महामंत्री सिद्धार्थ द्विवेदी, कौशल पाण्डेय, गोवर्धन दूबे, आचार्य विजय शुक्ला, मनीष मिश्रा, रामू गुप्ता, राजू पाण्डेय, प्राचार्य महताब आलम और अयोध्या गुरूजी सहित कई सदस्य व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

छिनैती गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तारः 64 हजार रुपये, 3 बाइक, 4 मोबाइल बरामद

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस ने रामकोला क्षेत्र में हुई छिनैती की घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छह दिन के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 64,840 रुपए नकद, घटना में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद अली अख्तर, विनोद महतो, राजेश महतो सभी ग्राम रानी पकड़ी, थाना मुफसिल, पश्चिमी चंपारण, बिहार और अर्जुन प्रसाद ग्राम लालगढ़, थाना मुफसिल, पश्चिमी चंपारण, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बिहार से आकर कुशीनगर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छिनैती की वारदातों को अंजाम देता था।

रामकोला निवासी मुस्तफा के साथ हुई एक लाख रुपए की छिनैती के मामले में हुआ है। मुस्तफा बैंक से पैसे निकालकर घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन्हें बातों में उलझाकर पैसे छीन लिए और फरार हो गए थे। घटना के बाद रामकोला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के अनावरण के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गईं और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इसी क्रम में, 17 अक्टूबर 2025 को रामकोला थाना और स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम ने इन चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है। वे सुनियोजित तरीके से बैंकों से पैसे निकालकर लौट रहे लोगों को निशाना बनाते थे। सुनसान रास्तों पर पीड़ितों को रोककर डरा–धमकाकर या बातों में उलझाकर उनके पैसे छीन लेते थे। अभियुक्तों ने कुशीनगर जनपद के सेवरही, विशुनपुरा और पटहेरवा जैसे विभिन्न थाना क्षेत्रों में भी इसी तरह की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

डीएम ने लापरवाही पर अधिकारियों को लगाई फटकार

संवाददाता–गोण्डा। कर्नलगंज तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर अधिकारियों को फटकार लगाई। इस दौरान कुल 105 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 33 का मौके पर ही समाधान किया गया। डीएम ने सरकारी जमीनों से अवैध कब्जा हटाने और पात्रों को घरौनी प्रमाण पत्र वितरित करने के निर्देश भी दिए है।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में सभी जिला स्तरीय और तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई की सूचना मिलने पर डीएम ने लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी प्राप्त शिकायतों में राशन कार्ड संबंधी मामले सर्वाधिक थे। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि सभी आवेदनों की जांच कर पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड बनाए जाएं और अपात्रों के राशन कार्ड रद्द किए जाएं।डीएम ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों का मौके पर जाकर निस्तारण किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी घर बैठे रिपोर्ट लगाएगा और इसकी शिकायत मिली, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि जिले की 290 ग्राम पंचायतों में से अब तक 258 ग्राम पंचायतों के लोगों को घरौनी प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। कुछ ग्राम पंचायतों के लाभार्थियों को आज समाधान दिवस में प्रमाण पत्र दिए गए।

इसके अतिरिक्त, जमीनों की पैमाइश के बाद उखाड़े गए पत्थरों को लेकर भी शिकायतें मिलीं जिन पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं कुछ व्यक्तिगत जमीनों के पैमाइश को लेकर शिकायती आई है। उसको लेकर के भी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाएगा।

200 करोड़ की धोखाधड़ी का खुलासाः 27 साइबर फ्रॉड के मुकदमे दर्ज

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में साइबर अपराधों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। 28 फरवरी 2024 को स्थापित साइबर थाने में अब तक कुल 27 साइबर धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें वर्ष 2024 में 17 और 2025 में अब तक 10 मामले शामिल हैं। हाल ही में पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय साइबर फर्जिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें लगभग 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। इस रैकेट के तहत, आरोपियों ने 8.15 करोड़ रुपये की राशि 30 पाकिस्तानी बैंक खातों में स्थानांतरित की थी। इसके अतिरिक्त, ललिया थाना क्षेत्र में एक अन्य मामले में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भी इनराशि पाकिस्तान भेजी गई। पुलिस ने इन मामलों में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार ने जनता से साइबर धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए नए–नए तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने अंजान कॉल, लकी ड्रॉ या इनाम जीतने जैसे प्रलोभनों से बचने और ओटीपी, पासवर्ड या बैंक विवरण किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी। अपर पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों को दो–स्तरीय प्रमाणीकरण, सुरक्षित ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करने, मोबाइल को नियमित रूप से अपडेट रखने और ऑनलाइन लेनदेन में सावधानी बरतने का सुझाव दिया। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी के लिए साइबर हेल्पलाइन 1930, महिला हेल्पलाइन 181, या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करने को कहा गया है। बलरामपुर पुलिस ने साइबर अपराधों को रोकने के लिए जन जागरूकता और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया है।

पुलिस ने महिलाओं को आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने ‘मशन शक्ति फेज–5.0’ अभियान के तहत जनपद के सभी थानों पर बहू–बेटी सम्मेलन आयोजित किया। इन सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वावलंबन, आत्मरक्षा और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। थाना भिनगा, मल्हीपुर, सोनवा, गिरंट, गिलौला, इकौना, सिरसिया, महिला थाना, नवीन मॉडर्न पुलिस थाना और शक्ति मोबाइल टीम की मिशन शक्ति टीमों ने इन सम्मेलनों का आयोजन किया। इनमें आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, छात्राएं, गृहिणियां, विधवा और तलाकशुदा महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। चौपाल शैली में आयोजित संवाद सत्रों में प्रतिभागी महिलाओं को बताया गया कि हर महिला समाज की शक्ति है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना ही सशक्त समाज की नींव है। उन्हें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, मातृशक्ति को संबल योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को इन योजनाओं से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को घरेलू हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न या साइबर अपराध जैसी किसी भी स्थिति का सामना करने पर तुरंत महिला हेल्पलाइन 1090, 181, 1930, 112, 108, 1098, 102 और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर संपर्क करने की सलाह दी गई। उन्हें यह संदेश भी दिया गया कि चुप्पी अपराध को बढ़ावा देती है, इसलिए निडर होकर अपनी आवाज उठाना ही सच्चा सशक्तिकरण है।

किशोरियों को बाल विवाह, दहेज प्रथा, नशे की प्रवृत्ति, साइबर अपराध और गुड टच–बैड टच जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। उन्हें समझाया गया कि शिक्षा और आत्मरक्षा ही उनका सबसे बड़ा हथियार है। इस अवसर पर महिला बीट अधिकारियों और मिशन शक्ति टीमों ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मरक्षा के सरल उपाय बताए। उन्हें समाज में आत्मविश्वास और निर्भीकता से अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

तेंदुए ने बछड़े को बनाया निवाला

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के रामनगर मैटहवा गांव में तेंदुए के हमले से दहशत फैल गई है। शुक्रवार देर रात एक तेंदुआ गांव की गोशाला में घुस आया और वहां बंधे एक बछड़े को अपना निवाला बना लिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है।

ग्राम निवासी रामनरेश चतुर्वेदी ने बताया कि घटना शुक्रवार रात लगभग 12 बजे की है। वह गोशाला के पास सो रहे थे, तभी मवेशियों की चीख सुनकर उनकी नींद खुली। उन्होंने टॉर्च जलाकर देखा तो तेंदुआ बछड़े पर हमला कर रहा था। उनके शोर मचाने से पहले ही तेंदुआ बछड़े को खींचकर गन्ने के खेतों की ओर ले जा चुका था। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय व्याप्त है। ग्राम प्रधान तुलाराम यादव सहित ओमप्रकाश, अशोक मिश्रा, राजन और रमेश जैसे अन्य ग्रामीणों ने बताया कि बीते कई दिनों से तेंदुआ आसपास के इलाकों में मवेशियों पर हमले कर रहा है, जिससे लोग रात में घर से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाकर तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है। शनिवार को घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें तेंदुआ खेतों में भागता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे उसकी मौजूदगी की पुष्टि होती है। बरहवा रेंजर बृजेश सिंह परमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम को गांव भेजा गया है। टीम तेंदुए की गतिविधियों की निगरानी करेगी और उचित कदम उठाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने, बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रात में अकेले बाहर न निकलने की अपील भी की है।

पिपरा बाजार स्कूल बना ओवर ऑल चैंपियन

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा नगरपालिका में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शनिवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। बेलभरिया न्याय पंचायत के पिपरा बाजार स्कूल को ओवर ऑल चैंपियन घोषित किया गया। प्रतियोगिता में परिषदीय स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता सिसवा नगरपालिका के महाराणा प्रताप नगर वार्ड स्थित एक निजी विद्यालय के खेल परिसर में आयोजित की गई थी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नौ न्याय पंचायतों — बीजापार, करमही, बड़हरा महंत, गोपाला, मध्य बलिया, हरखपुरा, बेलभरिया और पकड़ी चौबे — के लगभग सात सौ परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने लंबी दौड़, खो–खो, कबड्डी और लंबी कूद जैसे विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन का शुभारंभ भाजपा नेता बैजनाथ सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

खंड शिक्षा अधिकारी वंशीधर सिंह ने खिलाड़ियों को जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच रही हैं। समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन अरविंद जायसवाल सरस ने किया। इस अवसर पर अरुण सिंह, जितेंद्र सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, मिथिलेश, नंदू प्रसाद और श्रीराम शाही सहित कई संकुल प्रभारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने खाट पर बैठ लगाई चौपालः कहा– जनता और मंत्री एक हो जाएं तो सारी चीजें सुधर जाएं

संवाददाता–गोरखपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को गोरखपुर में अलग अंदाज में नजर आए। उन्होंने किसानों के बीच चौपाल लगाई थी। इस दौरान खटिया का मंच बना। केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए उन्हें देश की अर्थ व्यवस्था की रीढ़ और आत्मा बताया। चौपाल में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह सहित कई नेता और अधिकारी भी मौजूद रहे। शिवराज सिंह चौहान ने सबसे एकीकृत खेती के प्रयासों में जुटने का आह्वान किया। गोरखपुर के ऐतिहासिक चौरी–चौरा के डुमरी खुर्द में आयोजित इस चौपाल में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान देश के आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ और आत्मा हैं। किसानों एकीकृत खेती के प्रयास करने होंगे। जिससे उनकी आय बढ़ सके। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि देश की सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर संजीदा है। उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने धान, गेहूं, दलहन के साथ किसानों को मछली पालन, पशुपालन, बकरी पालन और मधुमक्खी पालन पर जोर दिया। कृषि मंत्री ने मसूर के साथ मोटे अनाज की खेती पर जोर देते हुए कहा कि किसानों के हित गेहूं का समर्थन मूल्य 160 रुपये बढ़ाकर 2585 रुपये किया गया है। इसी तरह चना का समर्थन मूल्य 225 रुपये बढ़ाया गया। चौपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश में किसानों की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों और राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के कामों की तारीफ की। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री का आभार जताया। चौपाल में उप निदेशक कृषि धनंजय सिंह और कृषि विभाग के तमाम अधिकारी मौजूद रहे। कृषि मंत्री ने सबसे किसानों और खेती किसानी की बेहतरी के लिए जी–जान से जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में किए जा रहे सभी अच्छे प्रयासों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।देश में किसान और खेती–किसानी की स्थिति दिन ब दिन अच्छी हो रही है।

धनतेरस पर ग्राहकों ने सोना–चांदी, मोबाइल सहित अन्य सामान खरीदे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ का बाजार धनतेरस के अवसर पर दीपों की रोशनी और खरीददारों की चहल–पहल से जगमगा उठा। सुबह से ही बाजारों में रौनक देखने को मिली। मुख्य मार्गों और गलियों में तरह–तरह की दुकानें सजी रहीं, जहां लोगों ने शुभ खरीदारी की। स्थानीय व्यापारी फरहान अली, विकास शर्मा, सिद्धार्थ, जय प्रकाश, शिव सरन, प्रदीप पथरकट, बाबलू, ऐरान कसौधन, सहवाज, हरीश चंद्र, सचिन, रामू, सीमा यादव, प्रियंका शर्मा और सविता सहित अन्य दुकानदारों ने अपनी दुकानों को रंग–बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया था। धनतेरस पर सोना, चांदी, मोबाइल, घड़ियां, बाइक, कार, भगवान की तस्वीरें, मोमबत्तियां, कपड़े और बर्तनों की खरीदारी मुख्य रूप से हुई। ग्राहकों ने पूरे उत्साह के साथ शुभ मुहूर्त में सामान खरीदा। स्थानीय लोगों का कहना था कि इस बार बाजार में पहले से अधिक रौनक रही और लोगों ने अपनी जरूरत व परंपरा के अनुसार खरीदारी की। नगर पंचायत प्रशासन ने भी सफाई और रोशनी की उचित व्यवस्था की, जिससे बाजार का माहौल पूरी तरह त्योहारी बना रहा। धनतेरस की इस खरीदारी के साथ नगर में दीपावली पर्व की शुरुआत का उल्लास चारों ओर दिखाई दिया।

चचेरे भाइयों ने लाठी–डंडे से पीट–पीटकर भाई को मार डाला

संवाददाता–अयोध्या। खेत जोताई को लेकर हुए विवाद में शुक्रवार की रात चचेरे भाइयों ने पीट–पीटकर युवक की हत्या कर दी। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले की जांच की जा रही है। घटना खंडासा थाना क्षेत्र के कृष्णानंद पांडेय का पुरवा मजरे डीली सरैया गांव की है। यहां के निवासी सचिन पांडेय (30) की हत्या हुई है। बताया गया कि सचिन, सोहावल क्षेत्र में निजी क्लीनिक चलाते थे। शुक्रवार सुबह खेत जोताई को लेकर उनका सगे चाचा के बेटों और चाची से विवाद हो गया। विवाद के बाद वह क्लीनिक चले गए। वहां से रात को वापस घर पहुंचे थे। घर से लघुशंका करने के लिए बाहर निकले थे। इसी समय अचानक चचेरे भाइयों ने लाठी–डंडे से उन पर हमला कर दिया। पिटाई में उनके सिर पर गंभीर चोटें आ गईं। पत्नी ने ग्रामीणों की मदद से आनन–फानन उन्हें एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया। वहां स्थिति में सुधार न होने पर चिकित्सक ने उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। घरवाले उन्हें लेकर लखनऊ जा रहे थे। लेकिन, अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना से पत्नी और परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि 2021 में सचिन की शादी हुई थी। अभी कोई संतान नहीं थी। पिता और भाई लुधियाना में प्राइवेट नौकरी करते हैं। खबर मिलने पर घर आ रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि पोस्टमार्टम कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

सीएम योगी हमेशा की तरह वनटांगिया गांव में मनाएंगे दिवाली, एक हफ्ते से घर–घर हो रही तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह इस बार भी अपनी दिवाली गोरखपुर जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर कुसम्ही जंगल के बीच बसे वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया नम्बर तीन में मनाएंगे। यहां के लोग बीते एक हफ्ते से सीएम के आगमन की तैयारियों में जुटे हैं। उनके बीच बेकरारी, उल्लास और उमंग का माहौल है। सीएम योगी हर साल इस वनटांगिया गांव में दीपोत्सव मनाने आते हैं। यहां हर घर 'योगी बाबा' के नाम पर दीप जलाए जाते हैं। गांव में एक तरफ जहां प्रशासन अपनी तैयारियों में जुटा है तो वहीं आम लोग सीएम योगी की अगवानी के लिए अपने–अपने घर–द्वार को साफ सुथरा बनाने, रंग रोगन करने और सजाने–संवारने में लगे हैं। दिन–रात तैयारी चल रही है। सब कुछ स्वतः स्फूर्त और मिलजुलकर। सीएम योगी इस गांव में सोमवार (20 अक्टूबर) को एक बार फिर आकर दीपोत्सव मनाएंगे। इस गांव में सीएम योगी तब से आते रहे हैं जब वह सांसद थे। 2017 के पहले तक बुनियादी अधिकारों और सुविधाओं से वंचित रहे वनटांगियों के साथ उन्होंने दीपावली मनाने की जो परंपरा शुरू की, वह उनके सीएम बनने के बाद भी जारी है। उनकी दीपावली की शुरुआत ही इसी गांव से होती है। इस बार भी उनके आगमन के दिवाली पर सीएम योगी का गांव के हर किसी को शिद्दत से इंतजार है। इसके मद्देनजर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन तो लगा ही है, गांव के लोग भी अपने बाबा के स्वागत को घर–आंगन को सजाने–संवारने में जुटे हैं। लोगों का कहना है कि सौ साल तक उपेक्षित और बदहाल रहे वनटांगिया समुदाय को नागरिक का दर्जा देने से लेकर समाज और विकास की मुख्य धारा में लाने का श्रेय योगी आदित्यनाथ को जाता है।

ब्रिटिश हुकूमत में जब रेल पटरियां बिछाई जा रही थीं तो स्लीपर के लिए बड़े पैमाने पर जंगलों से साखू के पेड़ों की कटान हुई। इसकी भरपाई के लिए अंग्रेज सरकार ने साखू के नए पौधों के रोपण और उनकी देखरेख के लिए गरीब भूमिहीनों, मजदूरों को जंगल में बसाया। साखू के जंगल बसाने के लिए वर्मा देश की 'टांगिया विधि' का इस्तेमाल किया गया, इसलिए वन में रहकर यह कार्य करने वाले वनटांगिया कहलाए। कुसम्ही जंगल के पांच इलाकों जंगल तिनकोनिया नम्बर तीन, रजही खाले टोला, रजही नर्सरी, आमबाग नर्सरी व चिलबिलवा में इनकी पांच बस्तियां वर्ष 1918 में बसीं। इसी के आसपास महराजगंज के जंगलों में अलग अलग स्थानों पर इनके 18 गांव बसे। 1947 में देश भले आजाद हुआ लेकिन वनटांगियों का जीवन गुलामी काल जैसा ही बना रहा। जंगल बसाने वाले इस समुदाय के पास देश की नागरिकता तक नहीं थी। नागरिक के रूप में मिलने वाली सुविधाएं तो दूर की कौड़ी थीं। जंगल में झोपड़ी के अलावा किसी निर्माण की इजाजत नहीं थी। पेड़ के पत्तों को तोड़कर बेचने और मजदूरी के अलावा जीवनयापन का कोई अन्य साधन भी नहीं। समय समय पर वन विभाग की तरफ से वनों से बेदखली की कार्रवाई का भय अलग से।

वर्ष 1998 में योगी आदित्यनाथ पहली बार गोरखपुर के सांसद बने। उनके संज्ञान में यह बात आई कि वनटांगिया बस्तियों में रहने वालों की जिंदगी काफी बदतर हाल में है। उन्होंने सबसे पहले शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को इन बस्तियों तक पहुंचाने की ठानी। इस काम में लगाया गया उनके नेतृत्व वाली महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं एमपी कृषक इंटर कालेज व एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ और गोरखनाथ मंदिर की तरफ से संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ अस्पताल की मोबाइल मेडिकल सेवा को। जंगल तिनकोनिया नम्बर तीन वनटांगिया गांव में 2003 से शुरू ये प्रयास 2007 तक आते आते मूर्त रूप लेने लगे। इस गांव के रामगणेश कहते हैं कि वनटांगिया बिलकुल उपेक्षित थे। महराज जी (योगी आदित्यनाथ को वनटांगिया समुदाय के लोग इसी संबोधन से बुलाते हैं) नहीं आते बदहाली में ही मर–खप जाते।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग, दंपती व पुत्र झुलसे

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट कस्बे में शनिवार की सुबह करीब आठ बजे शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से एक दुकान में आग लग गई। अचानक उठी लपटों से आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन तब तक घर और दुकान का काफी सामान जलकर राख हो गया। घटना में दुकान मालिक विनोद जायसवाल, उनकी पत्नी शकुंतला देवी और पुत्र अजय झुलस गए, जबकि दूसरा पुत्र विजय छत से कूदने के दौरान घायल हो गया। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां विनोद और अजय को बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। शकुंतला देवी का इलाज कस्बे के एक निजी चिकित्सक के यहां चल रहा है। विनोद की हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया गया कि बैरियर तिराहे के पास विनोद जायसवाल अपने मकान के नीचे दुकान चलाते हैं, जहां मोबिल, पेट्रोल और डीजल बेचा जाता है। सुबह शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने दुकान में रखे ज्वलनशील पदार्थों को आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और परिवार के लोग कमरे में फंस गए। इसी मकान के एक हिस्से में स्थित पैथोलॉजी कलेक्शन सेंटर भी आग की चपेट में आ गया, जिससे वहां रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर राजस्व निरीक्षक नरसिंह मौर्य और लेखपाल रजत वर्मा मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन किया।

राम की पैड़ी के 56 घाटों पर बिछाए गए 29 लाख दीये

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियां अब अंतिम पड़ाव पर हैं। सरयू घाट से लेकर राम मंदिर तक पूरी अयोध्या नगरी में भक्ति का माहौल है। राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 30 हजार स्वयंसेवकों की ओर से 29 लाख दीप बिछाने का काम शनिवार की शाम तक लगभग पूरा कर लिया गया है।

रविवार, 19 अक्टूबर को राम की पैड़ी पर इन दीयों में तेल और बाती डालने का शुभ कार्य शुरू होगा। ताकि, दीपोत्सव की शाम जब ये दीप एक साथ जलें तो अयोध्या स्वर्ग सी दमक उठे। हर घाट, हर गलियारा, हर मंदिर को सजे हुए दीपों से अलंकृत किया जा रहा है। राम की पैड़ी की जलधारा में स्टेज बनाए गए हैं। इस पर खूबसूरत कलाकृति बनाई गई है। एक तरफ राम दरबार है तो दूसरी तरफ रावण सीता का हरण कर रहा है। रामसेतु भी बनाया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल स्वयं दीपोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। सरयू तट पर 2100 अर्चकों की ओर से होने वाली महाआरती से पूरा वातावरण श्रद्धा और श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठेगा। रंग–बिरंगे लेजर शो, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और रामायण थीम पर सजी झांकियां इस दीपोत्सव को भव्यता के नए आयाम देने जा रही हैं। अयोध्या कल से ही प्रकाश और आस्था की अनूठी यात्रा पर निकल पड़ेगी।

सांसद जगदम्बिका पाल ने सफाई कर्मियों को दिए दीपावली उपहार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ के नगर पंचायत सभागार में सांसद जगदम्बिका पाल ने 150 सफाई कर्मियों और अन्य कर्मचारियों को दीपावली के उपहार वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सफाई कर्मियों को स्वच्छ भारत के असली प्रहरी बताया और उनकी सेवाओं की सराहना की। शनिवार शाम 5 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद पाल ने सभी कर्मियों को मिठाई और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। सांसद पाल ने कहा कि सफाई कर्मी समाज की रीढ़ हैं, जिनकी मेहनत और निष्ठा से नगर का वातावरण स्वच्छ और स्वस्थ बना रहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान की सफलता में इन कर्मियों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया, जो बिना किसी प्रचार के प्रतिदिन समाज की सेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने जोर दिया कि अब समय आ गया है जब सफाई कर्मियों को केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रहरी के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए। सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सफाई कर्मियों के पांव पखारकर दिए गए सम्मान का उल्लेख किया, जिससे यह संदेश गया कि समाज के हर वर्ग का योगदान समान रूप से महत्वपूर्ण है। सांसद ने कहा कि यदि हर नागरिक सफाई कर्मियों के सम्मान को अपनी जिम्मेदारी समझे, तभी एक सच्चे स्वच्छ और संवेदनशील भारत का निर्माण संभव है।

तहसील समाधान दिवस में 62 शिकायतें मिलीं, मौके पर 7 का निस्तारण किया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में संपूर्ण तहसील समाधान दिवस संपन्न हुआ। इस दौरान कुल 62 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। राजस्व, विकास, शिक्षा और पूर्ति सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. और उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने की। पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने सुना। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की आख्या का अवलोकन किया। उन्होंने तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके पर जांच कराने और भूमि विवादों का निरीक्षण कर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस और आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी विभाग का कोई भी प्रकरण लंबित पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त कुल 62 प्रार्थना पत्रों में से राजस्व विभाग से 46, पुलिस विभाग से 6, विकास विभाग से 2 और अन्य विभागों से 8 शिकायतें थीं। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित 7 प्रार्थना पत्रों का तत्काल निस्तारण कराया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को तीन दिन के भीतर शत–प्रतिशत निस्तारित करने का निर्देश दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, डीएसओ देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, तहसीलदार डुमरियागंज, सभी थानाध्यक्ष और खंड विकास अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिग छात्रा से लाइनमैन ने किया दुष्कर्म

संवाददाता–संतकबीरनगर। 12वीं की 17 वर्षीय छात्रा से एक लाइनमैन ने रेप किया। आरोप है कि छात्रा को लाइनमैन ने नशीला पानी पिलाकर बेहोशी की हालत में वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद छात्रा की तबीयत बिगड़ गई, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। परिजनों ने कोतवाली खलीलाबाद पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान विद्युत विभाग के संविदा कर्मी लाइनमैन बादल खान के रूप में हुई है। कोतवाली पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, खलीलाबाद क्षेत्र की निवासी एक महिला ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी तितौवा स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती है। यह कोचिंग सेंटर बदरे आलम निवासी मड़या के मकान में संचालित होता है। महिला का आरोप है कि 17 अक्टूबर को उनकी बेटी कोचिंग गई थी। वहां से उसकी दोस्त उसे सेंटर से कुछ दूरी पर स्थित एक मकान में ले गई। जहां पहले से मौजूद बदरे आलम उर्फ बादल खान और उसकी दोस्त ने मिलकर छात्रा को पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसी बेहोशी की हालत में बदरे आलम ने उससे दुष्कर्म किया और फरार हो गया। कुछ देर बाद तब उसे होश आया तो उसे साजिशकर्ता दोस्त ने ही जिला अस्पताल में पीड़िता को भर्ती कराया। जानकारी होने पर हम सभी अस्पताल पहुंचे। लेकिन अधिक रक्त बहता देखकर डॉक्टर ने जिला अस्पताल से उसे मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। लेकिन उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के सामने शीलता अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। जहां डॉक्टर ने उसका इलाज किया। वहीं, मामला संज्ञान में आने के बाद अस्पताल पर पहुंचे इंस्पेक्टर पंकज कुमार पाण्डेय ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता से हुई घटना के बारे में परिजनों से पूछताछ की। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजय सिंह ने भी छात्रा के परिजनों से बात की और घटना की पूरी जानकारी ली।

ड्रोन उड़े, फोर्स जुटी, नहीं लगा महिला का सुराग

संवाददाता–अंबेडकरनगर। जिले के भीटी थाना क्षेत्र में 70 वर्षीय महिला रामरति के रहस्यमय ढंग से लापता होने से सनसनी फैल गई है। शुक्रवार शाम धान काटने खेत गई रामरति रातभर घर नहीं लौटीं। सुबह परिजनों को खेत में खून के धब्बे, टूटी चूड़ियां और घसीटने के निशान मिले। 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस महिला का कोई सुराग नहीं लगा पाई है। मदारभारी मजरे के खमपुर निवासी रामरति (पत्नी रामजीवन निषाद) शुक्रवार शाम करीब 5 बजे धान की फसल काटने के लिए खेत गई थीं। जब वह रातभर घर नहीं लौटीं, तो परिजनों ने सुबह उनकी तलाश शुरू की। खेत में मिले खून के धब्बे, टूटी चूड़ियां और घसीटने के निशान देखकर ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस फोर्स, स्वाट टीम, एसओजी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। ड्रोन कैमरों की मदद से खेतों, नालों, झाड़ियों और तालाबों की गहन जांच की जा रही है, लेकिन अभी तक महिला का कोई पता नहीं चल पाया है। भीटी थाना प्रभारी अमित पाण्डेय ने बताया कि पुलिस हत्या और अपहरण दोनों कोणों से मामले की जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से मिले खून के नमूने और टूटे आभूषणों को जांच के लिए कब्जे में लिया है। पुलिस ने आसपास के कई संदिग्धों से पूछताछ भी शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, खेत में संघर्ष के स्पष्ट निशान दिखाई दे रहे हैं और ऐसा लगता है कि महिला को खेत से दूर तक घसीटा गया है। इस घटना से गांव में डर और बेचैनी का माहौल है। परिजन सदमे में हैं और प्रशासन से महिला को जल्द से जल्द खोजने की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि ड्रोन और सर्विलांस टीम की मदद से जल्द ही सच्चाई सामने आएगी। हालांकि, 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी महिला का कोई सुराग न मिलना इस मामले को और अधिक रहस्यमय बना रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

अपील वाद सं0–T202517650308452

धारा 35 (2)उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

श्रीमती चन्द्रावती

बनाम

खेदू आदि

1. खेदू पुत्र रामहित 2. गुड़िया पत्नी अशोक साकिन जोरवा तप्पा व तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 03–11–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– 359 / 2002

वैरागी

बनाम

पियारे आदि

1 / 1 फौजदार उम्र लगभग 40 साल पुत्र पियारे 2 / 1 रामदीन उम्र लगभग 35 साल 2 / 2 रामनरायन उम्र लगभग 30 साल 2 / 3 श्यामू उम्र लगभग 25 साल पुत्रगण बुधई 2 / 4 श्रीमती सुनरा देवी उम्र लगभग 55 साल पत्नी बुधई 4 / 1 शिव कुमार उर्फ बबलू उम्र लगभग 35 साल पुत्र जोखू 4 / 2 ऊषा देवी उम्र लगभग 60 साल पत्नी जोखू 5 / 1 फूलचन्द्र उम्र लगभग 30 साल पुत्र छोटेलाल निवासीगण ग्राम जितियापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 31–10–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि 12 घरेलू हिंसा अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2025 के माह 10 के 31 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान अष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–641 / 2004

शिवलाल

बनाम

रामपत

1 / 1 बदामा देवी पत्नी स्व0 रामपत 1 / 2 गौरीशंकर पुत्र स्व0 रामपत 1 / 3 ज्ञानमती 1 / 4 भानु 1 / 5 रूपा पुत्रीगण स्व0 रामपत निवासीगण ग्राम गौरा रोवारी तप्पा जगरन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–11–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–444 / 2022

पहलवान

बनाम

मुन्ना आदि

4 / 1 श्रवण कुमार आयु लगभग 35 साल 4 / 2 शिव कुमार आयु लगभग 32 साल 4 / 3 खुशीराम आयु लगभग 28 साल पुत्रगण स्व0 रामतीरथ 4 / 4 सीता देवी आयु लगभग 70 साल विधवा स्व0 रामतीरथ साकिनान मौजा रामगढ़ खास तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–12–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुमुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com